

मीडिया समन्वय कार्यालय  
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

प्रेस विज्ञप्ति

22 फरवरी 2017

जेएमआई ने मनाया मातृभाषा दिवस, बहुभाषी कवि सम्मेलन का आयोजन

‘मातृभाषा दिवस’ के अवसर पर जामिया मिल्लिया इस्लामिया में राजभाषा हिंदी प्रकोष्ठ द्वारा 21 फरवरी, 2017 को बहुभाषी कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस मौके पर कुलसचिव श्री ए.पी. सिद्दीकी, आईपीएस अधिकारी और कुलपति के विशेष कार्याधिकारी, प्रो. शरफुद्दीन अहमद की गरिमामय उपस्थिति में हिन्दी, उर्दू, भोजपुरी एवं मैथिली के कवियों ने कविता पाठ किया। इस अवसर पर जामिया के हिंदी अधिकारी, राजेश कुमार ‘माँझी’ द्वारा लिखित भोजपुरी नाट्य-संग्रह ‘नून-तेल’ का लोकार्पण भी किया गया।

प्रो. तस्नीम मीनाई, डीन, छात्र कल्याण ने सभी कवियों एवं अतिथियों का स्वागत पुष्पगुच्छ से किया।

इस अवसर पर कुलसचिव श्री सिद्दीकी ने अपने स्वागत वक्तव्य में कहा कि बहुत सारी भाषाएं आज विलीन होती जा रही हैं और ऐसी स्थिति में इस प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन उन्हें संरक्षित और सर्वर्धित करने की दिशा में कारगर सिद्ध होगा। जब तक भाषाओं को आम जन द्वारा दिन-प्रतिदिन की रोजमर्रा की जिंदगी में प्रयोग में नहीं लाया जाएगा तो उन्हें संरक्षित करना कठिन हो जाएगा।

कार्यक्रम में अपना विचार रखते हुए कुलपति के विशेष कार्याधिकारी, प्रो. शरफुद्दीन अहमद ने कहा कि हर एक भाषा का अपना अलग अस्तित्व होता है। अधिक से अधिक भाषाओं को सीखने से हम अधिक से अधिक सभ्यता, संस्कृतियों को जान पाते हैं।

लोकार्पित पुस्तक 'नून-तेल' की चर्चा करते हुए हिंदी विभागाध्यक्ष, प्रो. हेमलता महिश्वर ने इस बात को स्पष्ट किया कि पुस्तक में संकलित सभी नाटकों का केंद्र बिंदु आधी आबादी अर्थात् महिलाओं की समस्याएं हैं। संग्रह के सभी नाटकों में देश, समाज में महिलाओं के साथ घटित हो रही समस्याओं को उजागर किया गया है और एक प्रकार से स्त्री समुदाय को सचेत करने का कार्य नाटककार द्वारा किया गया है।

इस बहुभाषी कवि सम्मेलन में कवि सम्मेलन की अध्यक्षता हिंदी के प्रख्यात कवि लक्ष्मी शंकर वाजपेयी ने की एवं कवि सम्मेलन का संचालन डॉ. रहमान मुसव्विर ने किया। हिंदी के कवियों में डॉ. अनामिका, डॉ. ज्योति चावला, प्रो. चंद्रदेव यादव, डॉ. सविता सौरभ ने कविता पाठ किया। वहीं उर्दू के कवियों में प्रो. कौसर मज़हरी एवं डॉ. रहमान मुसव्विर शामिल हैं। हिंदी, उर्दू के अतिरिक्त भोजपुरी के प्रो. शत्रुघ्न कुमार, डॉ. जौहर शफियाबादी, डॉ. गोरख प्रसाद मस्ताना, नवल किशोर निशांत तथा मैथिली के डॉ. निवेदिता झा एवं अरुणाभ सौरभ ने अपनी कविताओं से सबका मन मोह लिया। इस अवसर पर हिंदी विभागाध्यक्ष प्रो. हेमलता महिश्वर ने भी हिंदी कविता पाठ किया और साथ ही हिंदी अधिकारी, राजेश कुमार 'मांझी' ने हिंदी एवं भोजपुरी के गीत प्रस्तुत किए। कार्यक्रम में विभिन्न संकाय सदस्यों, अधिकारियों/कर्मचारियों एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने भाग लिया।

प्रो साईमा सईद  
डिप्टी मिडिया कोआरडिनेटर  
मोबाइल 9891227771



राजस्थान हिंदी प्रकोष्ठ, कुलसचिव कार्यालय, जामिया मिल्लिया इस्लामिया  
राजस्थान सरकार के आचार्य एवं बहुभाषी कवि राजमोहन - पुस्तक हाँकारों का समारोह  
पुस्तक हाँकारों की शुरुआत, कुलसचिव, जामिया मिल्लिया इस्लामिया  
विशेष अतिथि के सम्बन्ध में, विश्व कवियों की सम्मेलन



FACULTY OF ENGG. & TECH.  
M I



राजभाषा हिंदी प्रकोष्ठ, कुलसचिव कार्यालय, जामिया मिल्लिया इस्लामिया  
द्वारा

अभ्युक्त एम. एडव. के अवसर पर अनुभाषी कवि सम्मेलन का पुरस्कार लोकार्पण समारोह

मुख्य अतिथि: डॉ. अमर अहमद, कुलपति, जमिह  
सालार सलाह: श्री पूर्ण शेट्टी, अध्यक्ष, कुलसचिव, जमिह  
अतिथि: डॉ. शम्सुद्दीन अहमद, विश्व अकादमिया-मुंबई

अध्यक्षित कवि:

हिंदी - श्री ज्योती शरण राजवंशी, डॉ. कमलिका, डॉ. ज्योति शरण, डॉ. अक्षय शरण, डॉ. अमित शरण  
उर्दू - डॉ. कौमल भट्ट, श्रीमती अरुण शिव सुन्दर, डॉ. सय्यद मुस्तफा  
बंगाली - डॉ. शकुन्तल कुमर, डॉ. जितन अतिथिवादी, डॉ. योगेश प्रसाद शरण, डॉ. जय किशोर शिव शरण  
मराठी - डॉ. निवेदिता झा, श्री अरुण शरण

अध्यक्ष: श्रीमती सुधा शेट्टी, श्री अमिताभ, जमिह  
पुरस्कार वही: डॉ. देवदास शेट्टी, श्री शिवशंकर, जमिह  
विज्ञापक: 21/01/2017



